

भारतीयदर्शनम्

(247)

शिक्षक-अङ्गितमूल्याङ्कन-पत्रम्

पूर्णांका : 20

निर्देशा :

| | |
|---|---------------------|
| (i) सर्वे प्रश्ना अनिवार्याः। प्रश्नस्य दक्षिणे पाश्वे संख्या अङ्गान् निर्दिशति। | |
| (ii) उत्तरपुस्तिकायाः प्रथमपृष्ठे स्वनाम्, अनुक्रमाङ्कसंख्या, शिक्षणकेन्द्रस्य नाम इति सर्वे लेखनीयम् | |
| 1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्दात्मकं लिखत- | 2 |
| (क) नास्तिकदर्शनानां नामानि लिखत। | (दृष्टव्यम् - 1-9) |
| (ख) “दर्शनस्य आवश्यकताम् उपपादयत।” | (दृष्टव्यम् - 1) |
| 2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्दात्मकं लिखत- | 2 |
| (क) “नित्यानित्यवस्तुविवेकः” इति व्याख्यायताम्। | (दृष्टव्यम् - 17) |
| (ख) आस्तिकदर्शनानां प्रणेतारः के?। लिखत। | (दृष्टव्यम् - 1) |
| 3. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 40-60 शब्दात्मकं लिखत- | 2 |
| (क) निष्पकाचार्यस्य विषये टिप्पणी लिखत। | (दृष्टव्यम् - 16.3) |
| (ख) न्यायदर्शनस्य आचार्यपरम्परां लिखत। | (दृष्टव्यम् - 10) |
| 4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्दात्मकं लिखत- | 4 |
| (क) “सगुणब्रह्म” इति विषयं स्पष्टयत। | (दृष्टव्यम् - 12) |
| (ख) ‘भावनाविचारः’ इति विषय सप्रकारं विशदयत। | (दृष्टव्यम् - 14.7) |
| 5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं 100-150 शब्दात्मकं लिखत- | 4 |
| (क) वेदानां प्रयोजनभेदेन भेदं विशदयत। | (दृष्टव्यम् - 3.2) |
| (ख) वैशेषिकमते प्रमाप्रमाणानि च व्याख्यायताम् | (दृष्टव्यम् - 11) |
| 6. अधोलिखितेषु कमपि एकं विषमयधिकृत्य परियोजना-विवरणं लिखत- | 6 |
| (क) कालक्रमेण मीमांसादर्शनस्य आचार्याणां नामानि तथा तैः प्रणितानि संदर्भग्रन्थानां नामानि लिखत। | (दृष्टव्यम् - 14) |
| (ख) दर्शनेषु साम्यमसाम्यं विषये तालिकानिर्माणं कृत्वा एका परियोजना निर्मीयताम्। | (दृष्टव्यम् - 1) |